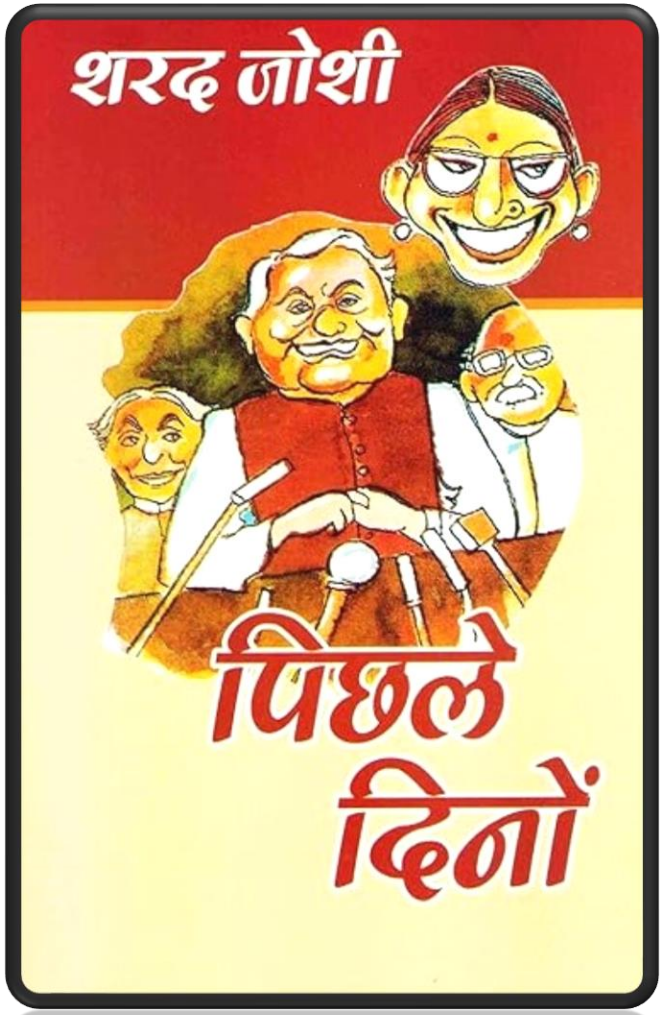

HB3058 – पिछले दिनों

लेखक – शरद जोशी

शरद जोशी की गणना हिन्दी के अग्रणी हास्य-व्यंगकारों से की जाती है। उनकी रचनाएं जहाँ एक और हंसाती और मन को गुदगुदाती हैं, वहां दूसरी और जबरदस्त चोट भी करती है। समाज, शासन और राजनीति उनकी रचनाओं के विशेष विषय रहे है।

पिछले दिनों शरद जोशी के ऐसे व्यंग्य लेखों का संग्रह है जो एक ओर सामाजिक स्थितियों को नई दृष्टि देते हुए सही दिशा की ओर इंगित करते हैं तो दूसरी ओर अपनी तीक्ष्णता और पैनेपन से भी पाठक को प्रभावित करते हैं । इन रचनाओं से हिन्दी साहित्य का स्तर ऊंचा हुआ है।

HB3057 - जादू की सरकार

लेखक - शरद जोशी

शरद जोशी हिन्दी के पहले व्यंग्यकार हैं जिन्होंने व्यंग-विधा को काव्यमय पर प्रतिष्ठित कराकर उसे अपूर्व ऊँचाई और व्यापक लोकप्रियता प्रदान की। व्यंग्य लिखना उनके लिए जिन्दगी जी लेने की तरकीब थी।

जादु की सरकार हिन्दी के अप्रतिम और अविस्मरणीय व्यंग्यकार शरद जोशी के अब तक अप्रकाशित व्यंग्य-लेखों का संकलन है। इनमें देश की शासन-व्यवस्था की खामियों पर व्यंग्य है, सामाजिक-आर्थिक जीवन की विसंगतियों पर व्यंग्य हैँ और आम लोगों को जिन्दगी से जुडी समस्याओं के हल के लिए की जा रही तमाम नाकाम कोशिशों पर व्यंग्य। व्यंग्यकार ने किसी भी दोष को अनदेखा नहीं किया, न ही किसी धाय या विकृति को ढंकने की कोशिश की है। उनके व्यंग्य सीधे चोट नहीं करते बल्कि अंतर्मन को झकझोरते हैं।

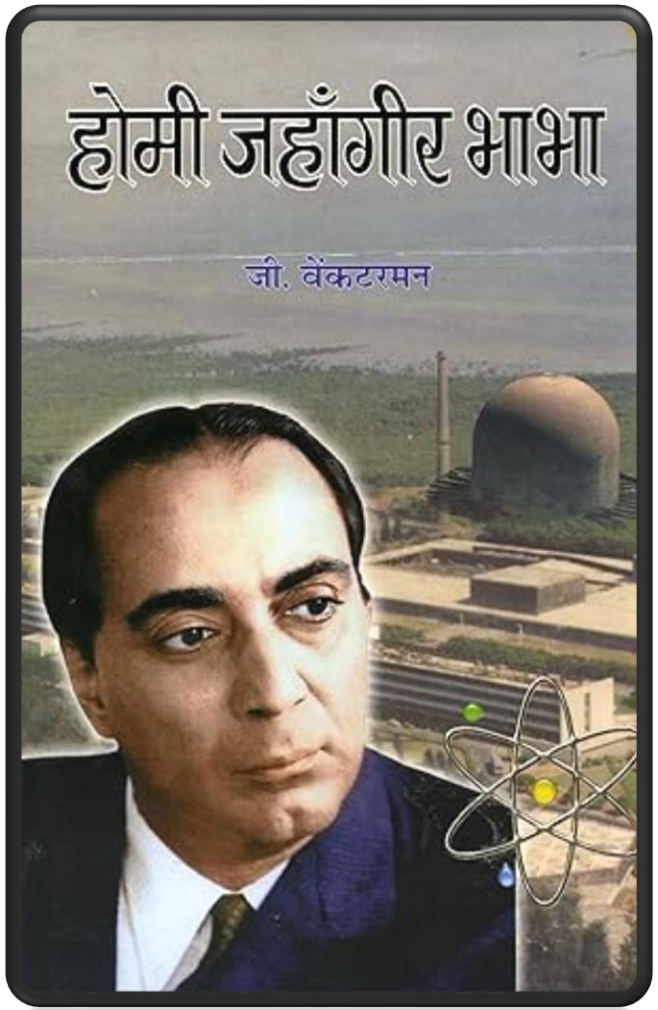

HB3058 – होमी जहाँगीर भाभा

लेखक – जी. वेंकटरमन

प्रखर भौतिकशास्त्रीक डॉ. गाणेशन वेंकटरमन ने पचास के दशक में भाभा ऐटामिक रिसर्च सेंटर, मुंबई में अपना कैरियर प्रारंभ किया था। उनके देश-विदेश के प्रमुख विज्ञान जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं।

भारत में परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक महान् वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने भारत के आधुनिक विज्ञान को एक नई दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी दूरदर्शिता के कारण ही भौतिकी के साथ-साथ विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में भी अनुसंधान कार्य हो रहे हैं।

प्रस्तुत पुस्तक भाभा की जीवनी ही नहीं, बल्कि उनके शोधकार्यो के बारे में महत्त्वपूर्ण विस्तृत जानकारी सरस-सुबोध भाषा में दी गई है। सभी आयु वर्ग के लोगों में विज्ञान के प्रति उत्सुकता जगाने की सफल एक कोशिश इस पुस्तक के माध्यम की गई है।

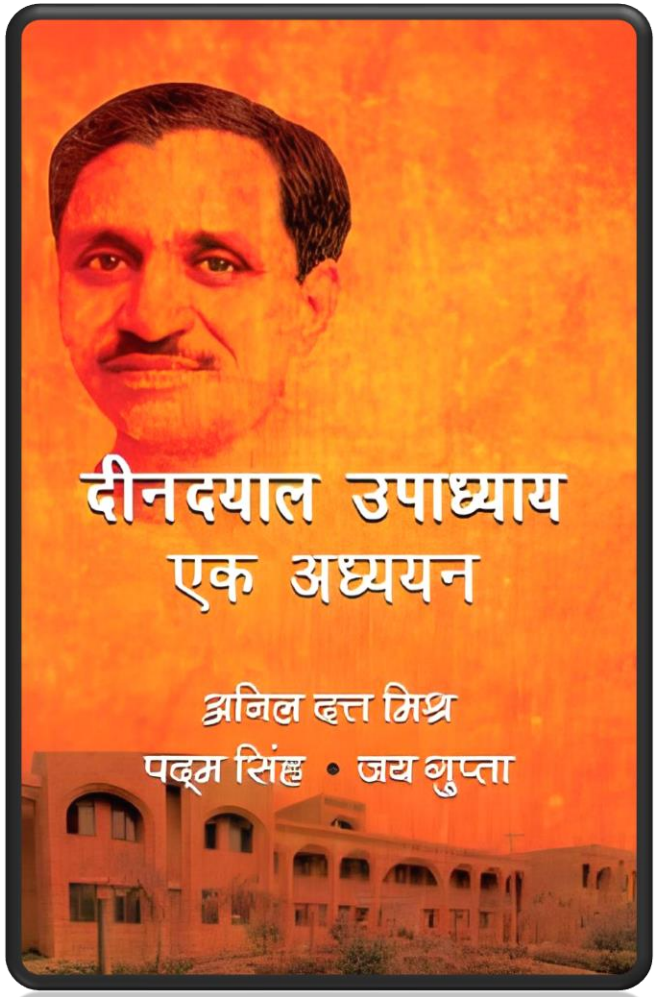

HB3046 – दीनदयाल उपाध्याय एक अध्ययन

लेखक – अनिल दत्त मिश्र, पद्म सिंह और जय गुप्ता

दीनदयाल उपाध्यायः एक अध्ययन पूरे भारत को प्रभावित कर रहे दीनदयाल उपाध्याय की मूलभूत अवधरणाओं का सूक्ष्म एवं निष्पक्ष विश्लेषण करती है। इस पुस्तक में उपाध्याय के पुनर्मूल्यांकन और उनकी पुनर्खाज का एक प्रथम प्रयास किया गया है।

दीनदयाल उपाध्यायः एक अध्ययन पुस्तक त्रिमूर्ति (मिश्र, सिंह एवं गुप्ता) के दशकों के अनुसन्धान अध्यापन और व्यावहारिक, प्रशासनिक अनुभव का प्रतिफल है। यह पुस्तक सामाजिक विज्ञान, मानविकी और दक्षिणपंथी अध्ययन के क्षेत्रा में पाठकों की विस्तृत आवश्यकता को ध्यान में रखकर लिखी गयी है। यह दीनदयाल उपाध्याय पर अध्ययन करने वाले पाठकों के लिए अनिवार्य पुस्तक है।

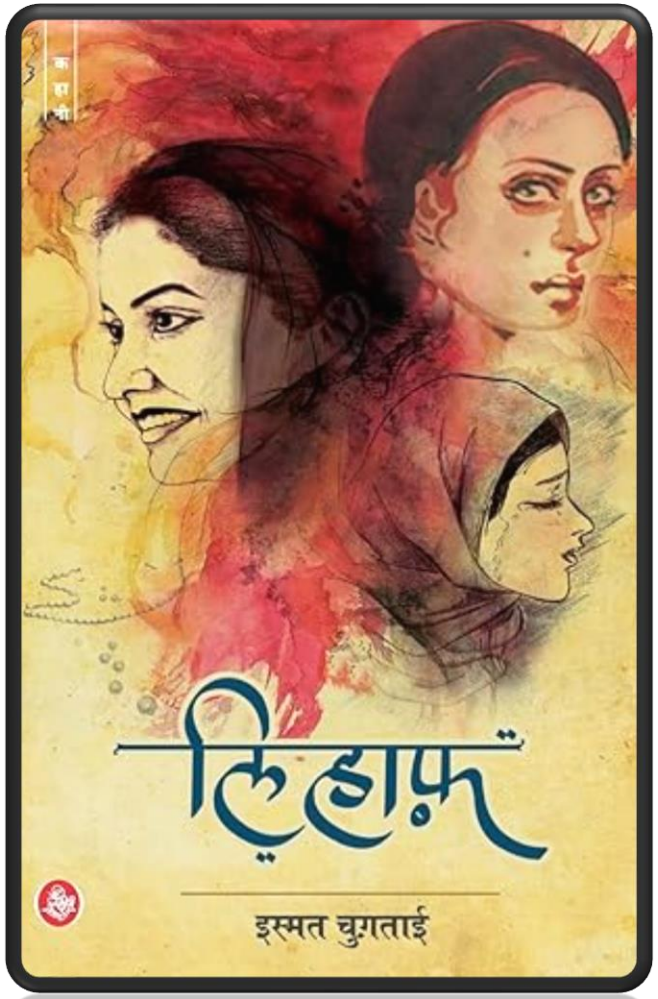

HB3053 - लिहाफ

लेखिका - इस्मत चुगताई

उर्दू की प्रसिद्ध लेखिका इस्मत चुगताई का जन्म 15 अगस्त 1915 को बदायूं, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने महिलाओं के बारे में खूब लिखा और उनके हक में सवाल उठाए। उनकी कहानियों में लड़कियों की मनोदशा और सच्चाई खूब अच्छी तरह से बयान हुए।

इस किताब में उनकी सत्रह एक से एक कहानियाँ शामिल हैं जिनमें प्रसिद्ध 'लिहाफ़' भी है। इसमें उन्होंने समलैंगिकता को उस वक़्त अपना विषय बनाया था जब समलैंगिकता के आज जवान हो चुके पैरोकार गर्भ में भी नहीं आए थे। और इतनी खूबसूरती से इस विषय को पकड़ना तो शायद आज भी हमारे लिए मुमकिन नहीं है।